the matter would be looked into. Our esteemed leader, Mr. Morarji Desai, said something but I could not hear it. I am very much interested in listening to everything he says. He may not throw light but he is always thought-provoking. Thank you.

---

12 NOON

REFERENCE TO POLLUTION CAUSED BY HOSPITALS IN DELHI

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK (Orissa): Sir, I bring to your kind notice a news item published in the Statesman of the 15th May, 1978, which describes how the hospitals in Delhi are polluting the city. It describes how the hosp.tal wast3 materail, including the waste material from laboratories of operation theatre etc. are thrown here and there without properly being disposed of by incinerators. This is an alarming state of affairs and it leads the spreading of disease in and around Delhi. In this connection, I may draw the attention of the House to a very serious epidemic which broke out in and spread from Delhi in 1956 when sewers got connected with water mains. Even today the hospital sewerage lines are linked with common sewerage lines and all these hospital waste materials are not properly disposed of but allowed to flow in to sewerage lines or spread outside which can be a potential danger to the life in Delhi. The garbage dumps of the hospital waste material include blood-stained cotton dressings, bandages, towels, blankets, used linen, etc. and they are plundered daily by gangs of rag-pickers who use this material for re-cycling filling pillows, mattresses, etc. and this can cause havoc to the city's health. This matter should be viewed very seriously. Just as it is happening in Delhi, it may be happening in other parts of the country also. We should, therefore, take serious steps to see that all these hospital waste material is disposed of properly in incinerators and not indiscriminately thrown here and there. The Health Ministry may take a serious note of this problem and provide remedial measures to see that such a thing does not happen. Let us take care of Delhi as 'Dill' in Hindi meaning heart *i.e.* heart of India.

Reference to a Fatal Accident by a jeep in Delhi

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा (बिहार) : सभापति महोदय, मै एक ऐसी बात की अभी चर्चा करना चाहता हूं जो उस बात से उठती है जबकि आज से कुछ दिन पहले सी0बी0आई0 के एक इंवेस्टिगेटिग आफिसर के बच्चे की मृत्यु हो गई जीप दुर्घटना से दिल्ली मे। मै उसके सम्बन्ध में सदन के सामने कहना चाहता हूं कि वह दुख की बात है कि चाहे वह सी0बी0आई0 का अफसर का बच्चा हो या किसी और का बच्चा हो अगर इस तरह की दुर्घटना से उसकी मृत्यु हुई तो दुख की बात जरूर है। मैने देखा है कि लोक सभा मे प्रधान मन्त्री जी ने भी इसके सम्बन्ध मे हमदर्दी जाहिर की है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हू कि जिस तरह से पिछले तीन चार दिनों से इस सम्बन्ध मे प्रचार किया गया है और खास तौर से इस बात को उसमे जोडा गया है कि चूंकि वह बच्चा किसी खास आफिसर का था जो खास मुकद्दमे मे, "किस्सा कुर्सी का" के मुकद्दमे मे इवेस्टिगेटिग आफिसर था। इसलिए उसके सम्बन्ध मे कहा गया कि इसके पीछे बहुत बड़ा फाउल प्ले है। इस तरह की बाते जो होती है, इस तरह की जो घटनाये होती है उनके सम्बन्ध में यह दुख का विषय ही है, बड़ा शर्मनाक भी है।

सभापति महोदय, मै इस सम्बन्ध में कहना चाहता हूं कि जब गांधी जी आगा खा पैलेस में पूना मे थे तो उस समय महादेव देसाई की मृत्यु हुई। उस समय कुछ लोगो ने यह कहा कि महादेव देसाई की लाश को लेकर उस समय की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया जाए और लोगों को भडकाया जाए। लेकिन गाधी जी ने ऐसा नही किया बल्कि उन्होने कहा कि महादेव देसाई मेरा बेटा था तो उसकी मृत्यु से हम कोई राजनीतिक लाभ नही उठाना चाहते हैं। लेकिन आज की सरकार और खास तौर से प्रधान मन्त्री जी जो गांधी जी के अनुयायी है तथा इस सरकार ने गांधी जी की समाधि पर शपथ ली और इनके लोग इस तरह से गलत बातों का प्रचार करते है और हर चीज के ऊपर किसी न किसी तरीके से लोगो को गलतफहमी मे डालकर भ्रम फैलाने की कोशिश करते है और किसी न किसी व्यक्ति के साथ यह किसी न किसी मुकदमे के साथ इस तरह की चीजो को जोड़ना चाहते है, यह बड़े शर्म की बात है।